

न्यायालय जिला कलक्टर, बाड़मेर
पीठासीन अधिकारी : हिमांशु गुप्ता, आई0ए0एस0

विविध रसद प्रकरण सं. 75/2017

प्रार्थी-

राजस्थान सरकार जरिये
प्रवर्तन अधिकारी बाड़मेर

बनाम

अप्रार्थी-

श्री विवेक सारस्वत पुत्र मूलचन्द
सारस्वत, मैसर्स ब्राम्हण फूड प्लाजा
बाड़मेर ।

प्रार्थना पत्र अन्तर्गत धारा 6ए आवश्यक वस्तु अधिनियम, 1955

उपस्थिति :-

1. विभागीय पैरोकार प्रार्थी की ओर से उपस्थित ।
2. श्री धनराज जोशी, अधिवक्ता अप्रार्थी की ओर से उपस्थित ।

आदेश

दिनांक : 30.07.2019

1. प्रार्थी की ओर से यह प्रार्थना पत्र अन्तर्गत धारा 6ए आवश्यक वस्तु अधिनियम, 1955 के तहत अप्रार्थी के विरुद्ध प्रस्तुत किया गया है। प्रस्तुत प्रार्थना पत्र के संक्षिप्त तथ्य यह है कि दिनांक 07.06.2017 को श्री जीयाराम प्रवर्तन निरीक्षक चौहटन मुख्यालय बाड़मेर एवं श्री विशनचन्द, वरिष्ठ लिपिक, नगर परिषद बाड़मेर के साथ प्रार्थी स्वयं ने मौतबिरान के रूबरू अप्रार्थी के व्यवसायिक प्रतिष्ठान मैसर्स ब्राम्हण फूड प्लाजा बाड़मेर के परिसर पर जांच करने पहुंचे, जहां मौके पर होटल मालिक अप्रार्थी श्री विवेक सारस्वत उपस्थित मिला। उक्त होटल में भोजन बनाकर ग्राहकों को विक्रय किया जा रहा था। इस दुकान की जांच की तो तीन घरेलु गैस सिलेण्डर का व्यवसायिक उपयोग हेतु प्रयोग में लेना पाया गया। उक्त गैस सिलेण्डर (आईओसीएल) मार्क का पाया गया, जिसका ब्यौरा निम्न प्रकार दिया गया है-

क्र. सं.	गैस सिलेण्डर न.	गैस कम्पनी का नाम	सिलेण्डर का कुल वजन	खाली सिलेण्डर का वजन	सिलेण्डर में भरी हुई गैस का वजन
1.	401970	IOCL	30.100 Kg	15.900 Kg	4.600 Kg
2.	106524T	IOCL	29.800 Kg	15.600 Kg	4.600 Kg
3.	163532	IOCL	29.600 Kg	15.400 Kg	2.000 Kg

जिला कलक्टर
बाड़मेर

मौके पर उक्त दुकान मे पाये गये घरेलु उपयोग के दो गैस सिलेण्डर का व्यवसायिक उपयोग किये जाने एवं संग्रह करने उक्त गैस सिलेण्डर को जब्त सरकार किया गया। उक्त गैस सिलेण्डर को मैसर्स बाड़मेर गैस एजेन्सी के कर्मचारी श्री नखतसिंह पुत्र श्री गेमरसिंह जाति राजपूत निवासी गांधी नगर बाड़मेर शहर को सुपुर्दनामा पर सुपुर्द किया गया। अप्रार्थी द्वारा अनाधिकृत रूप से घरेलु गैस सिलेण्डर का व्यवसायिक उपयोग हेतु संग्रह कर द्रवीकृत पेट्रोलियम गैस (प्रदाय और वितरण विनियमन) आदेश 2000 के खण्ड 3 के 1(सी) व 7(सी) का उल्लंघन किया गया है जो आवश्यक वस्तु अधिनियम, 1955 की धारा 3/7 के तहत दण्डनीय अपराध है। अतः यह प्रार्थना पत्र प्रस्तुत कर आवश्यक वस्तु अधिनियम की धारा 6ए के तहत उपरोक्त सीजशुदा घरेलु गैस सिलेण्डर मय गैस राजसात करने का आदेश फरमाया जावे।

2. प्रार्थी द्वारा प्रस्तुत प्रार्थना पत्र दर्ज रजिस्टर कर अप्रार्थी को जरिये पंजिबद्ध डाक द्वारा नोटिस जारी किया गया । अप्रार्थी की ओर से अधिवक्ता उपस्थित हुए किन्तु पर्याप्त अवसर प्रदान किये जाने के बावजूद भी जवाब प्रस्तुत नहीं किये जाने से जवाब का अवसर बंद करते हुए अंतिम बहस सुनी गई।
3. हमने पत्रावली का अवलोकन किया तथा उभय पक्ष को सुना। प्रार्थी की ओर से विभागीय पैरोकार ने प्रकट किया कि अप्रार्थी के व्यवसायिक प्रतिष्ठान पर घरेलु गैस सिलेण्डर का व्यवसायिक उपयोग लेते हुए पाये जाने पर उक्त सिलेण्डर मौतबिरान के रूबरू सीज किये गये है जो वर्तमान मे गैस कम्पनी के स्थानीय वितरक मैसर्स बाड़मेर गैस एजेन्सी को सुपुर्दगी पर दिये गये है। अप्रार्थी द्वारा द्रवीकृत पेट्रोलियम गैस (प्रदाय और वितरण विनियमन) आदेश 200 के खण्ड 3 के 1(सी) व 7(सी) का उल्लंघन किया गया है जो आवश्यक वस्तु अधिनियम, 1955 की धारा 3/7 के तहत दण्डनीय अपराध है। अप्रार्थी की ओर से बावजूद पर्याप्त अवसर प्रदान किये जाने, अपना जवाब/पक्ष प्रस्तुत नही किया है और न ही प्रतिवाद किया है। ऐसे मे आवश्यक वस्तु अधिनियम, 1955 की धारा 3 के प्रावधानों विपरित एवं धारा 7 के अधीन दण्डनीय कृत्य के फलस्वरूप सीजशुदा सामग्री उपरोक्त विवरण के घरेलु गैस सिलेण्डर मय गैस राजसात किये जाने का समुचित आधार मौजूद है।

4. अतः उपर्युक्त तथ्यों एवं परिस्थितियों पर विवेचन एवं विश्लेषण के परिणामस्वरूप प्रार्थी का यह प्रार्थना पत्र स्वीकार किया जाकर अप्रार्थी के





जिला कलेक्टर
बाड़मेर

विविध रसद प्रकरण/75/2017/प्रवर्तन अधिकारी बाड़मेर बनाम विवेक पुत्र मूलचन्द

कब्जे मे आवश्यक वस्तु अधिनियम एवं तदधीन बनाये गये द्रवीकृत पेट्रोलियम गैस (प्रदाय और वितरण विनियमन) आदेश 200 के खण्ड 3 के 1(सी) व 7(सी) का उल्लंघन मे पाये गये उपरोक्त गैस सिलेण्डर राजसात किये जाने के आदेश दिये जाते है। जिला रसद अधिकारी बाड़मेर को निर्देशित किया जाता है कि उक्त राजसात की गई एवं सुपुर्दगी पर दी गई सामग्री घरेलु गैस सिलेण्डर मय द्रवीकृत गैस का निस्तारण कर प्राप्त राशि राजकोष मे जमा कराने की कार्यवाही करें।

आदेश आज दिनांक 06.02.2019 को खुले न्यायालय मे सुनाया गया।




(हिमांशु गुप्ता)
जिला कलक्टर, बाड़मेर
जिला कलक्टर
बाड़मेर